





## प्रतिवेदन

अकादिमक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग हेतु स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

08 से 11 जुलाई 2024



डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

### डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

# एआईयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादिमक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादिमक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग

काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी





मैड्रिड विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए

कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादिमक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के

रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना,

यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादिमक, शोध एवं अन्य अकादिमक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित 'शिक्षा का



अंतर्राष्ट्रीय करण: भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र को पाँवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न



स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में

हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादिमक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं



शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे। इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

#### छाया चित्र वीथिका





विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय संबंध अधिकारियों से मुलाकात

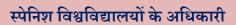


कुलपति, बार्सिलोना विश्वविद्यालय



श्री दिनेश के पटनायक भारत के राजदूत का अभिनंदन वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय







वल्लाडोलिड के मेयर, जीसस जूलियो कार्नेरो



बार्सिलोना विश्वविद्यालय में एआईयू प्रतिनिधिमंडल



### सागर 15-07-2024

पहल • स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी. शिक्षक एवं छात्र एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

## विवि में स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम शुरू होंगेः कुलपति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादिमक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादिमक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही हैं।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ. नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण



यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलुसिया

किया। इस संगोष्टी में ऑटोनॉमस साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टुडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की युनिवर्सिटी से अकादिमक एवं शोध सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन

यूनिवर्सिटी बार्सिलोना, बार्सिलोना, आईई यूनिवर्सिटी मैडिड, ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी ऑफ मैडिड, यनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी, मैडिड में आयोजित शिक्षा का अंतराष्ट्रीयकरणः भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पाँवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

## डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

सागर संवाददाता (प्रदेश वाँच)।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादिमक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउँसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड़िड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी, इंटरनेशनल युनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा युनिवर्सिटी,



विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा वैलुसिया युनिवर्सिटी से अकादिमक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्ट्डेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउँसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई युनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी ऑफ मैडिड, युनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादिमक, शोध एवं अन्य अकादिमक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यनिवर्सिटी, मैडिड में आयोजित %शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण= भारतीय परिप्रेक्ष्य% सत्र को पाँवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

### कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

### डॉ. गौर विवि का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

विजय मत, सागर।

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादिमक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन विश्वविद्यालयों के बीच अकादिमक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैडिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, युनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादिमक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा



हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गप्ता ने स्पेन के यनिवर्सिटी ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी बार्सिलोना. ऑफ बार्सिलोना, आईई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी ऑफ मैड्डि, युनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादिमक, शोध एवं अन्य अकादिमक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी, मैड़िड में आयोजित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण भारतीय परिप्रेक्ष्य

सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों

में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने टिवनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, इअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया। शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. गौर विश्वविद्यालय अकादिमक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण की दिशा में महत्वपर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठयक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य युरोपीय भाषा विभाग में स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे।

#### एआइयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

## नयां कदमः स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी, फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे



पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय अकादिमक साझेदारी व सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय व स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की। उन्होंने स्पेन के बार्सिलोना, मैड्डिड व वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनोमस यनिवर्सिटी, इंटरनेशनल युनिवर्सिटी कैटाल्न्या, लेइडा युनिवर्सिटी, विगो युनिवर्सिटी, जेन सलामसा युनिवर्सिटी, वैलुसिया युनिवर्सिटी से अकादिमक व शोध



साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय के अनुसार कुलपित की स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन व शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी व अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे।

#### मैड्रिड में दिया प्रजेंटेशन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत

प्रतिनिधित्व ऑटोनोमस युनिवर्सिटी, मैड्रिड म आयोजित अंतरराष्ट्रीयकरण, भारतीर परिप्रेक्ष्य' सत्र को पॉवर पाइंट वे माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्ष के अंतरराष्ट्रीयकरण के तरीकों प चर्चा की। उन्होंने भारतीय विद्यार्थियं में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ रहा है। राष्ट्रीय शिक्ष नीति-2020 के आलोक में शिक्षा वे अंतरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकत है। भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्र की विदेशों में और विदेश विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापन भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम जाइंट डिग्री प्रोग्राम, इअल डिग्रं प्रोग्राम व भारत में चल रहे डीएसटी युजीसी, आइएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की औ भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

### डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी

#### फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

#### जन चिंगारी- 9302303212

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय साझेदारी अकादिमक एव सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादिमक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ. नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा वैलुसिया यूनिवर्सिटी से अकादिमक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की



प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादिमक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित %शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण-भारतीय परिप्रेक्ष्य% सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा अन्तरराष्ट्रीयकरण आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने दिवनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, युजीसी आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यऋमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादिमक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यऋमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यऋम प्रारंभ किये जायेंगे।

एआईयु की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कलपति प्रो. नीलिमा

गुप्ता ने किया स्पेन के

### डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादिमक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

#### सता सुधार ■ सागर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकारमिक माधेरारी एवं मारवोगाताव शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के व्यक्तिशालयों के बीच अकारीएक पर शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिख्ली के गवनिंग काउसिल ने भारतीय एवं मोनिश विश्वविद्यालयों के बीच मंपर्क वे उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 और स्पेन के बासिंलोना, मैहिड एवं बाबडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का धमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस







न गवानग काडासल की सदस्य प्रो. नीलिया गुप्त ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनविसेटी ऑफ बार्सिलोना, यूनविसेटी ऑफ बासिलोना, आई ई युनिवर्सिटी

धमण कर करों के अकार्रामक शोध एवं लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित उन्होंने भारत का प्रतिनिधित करते हुए ऑटोनॉमस वृनिवसिटी, मैड्डिड नित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण-भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंत्राष्ट्ररीवकाण के तरीकों पर चर्चा की। कदम आवश्यक है। उनोंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उनोंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ स्ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरगाटीयकरण की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उझेख करते उनोंने कहा कि भारत के वद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने दिवनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री ਧੀਗਸ ਦਾ ਚਦੀ ਕੀ। ਨਕੀਜੇ ਬਾਸ਼ਨ ਸ਼ੇਂ ਚਲ रहे डीएसटी, वृजीसी, आईएनएसए द्वरा प्राचेनित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में क्विटेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बतायाशिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में जीवत पाठयक्रमों.

विश्वविद्यालयों का भ्रमण शोध एवं पुरा छत्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गीर विश्वविद्यालय अकारमिक मासेरागे शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतरीष्टीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्णं भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीध की अमल मे लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग अंग्रेजी एवं अन्य यरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे। इच्छुक छत्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

## कुलपति ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ. नई टिल्ली के गवनिंग काउँसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्टी में भागीदारी की और स्पेन के बासिलोना, मैड्डि एवं बल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। संगोष्ठी में

अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गर्वानिंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्येन के ऑटोनॉमस युनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, युनिवर्सिटी ऑफ के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है।



बार्सिलोना, आई ई यनिवर्सिटी मैडिड, ऑटोनॉमस यनिवर्सिटी ऑफ मैडिड. यनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्डि में आयोजित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पाँवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में

यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एएमओयू

अकादिमक साझेदारी और सहयोगात्मक शोध की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम

### स्पेन की यूनिवर्सिटी और डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि मिलकर करेंगे शोध

अमर उजाला ब्यरो

सागर। प्रदेश के सागर स्थित डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय स्पेन विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक और शोध समझौते किए हैं। इसके तहत स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ आपसी सहयोग की संभावनाओं को तलाशा गया।

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि सागर ने अकादिमक साझेदारी और सहयोगात्मक शोध की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में डॉ. हरिसिंह गौर विवि और स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादिमक और शोध समझौते की पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग भारतीय और स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से स्पेन में आठ से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया। स्पेन के जेन यूनिवर्सिटी, सलामांका यूनिवर्सिटी, और



सागर विश्वविद्यालय के अधिकारियों के दल ने किया स्पेन का दौरा।

बार्सिलोना, मैड्रिड और वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का दौरा किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी,

वैलेंसिया यूनिवर्सिटी से अकादिमक और शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, और स्टूडेंट एवं फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थेक चर्चा हुई। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ

#### जल्द ही स्पेनिश भाषा में शुरू होंगे पाठ्यक्रम

प्रो. गुप्ता ने बताया कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध और पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र अमल में लाने की योजना बनाई है और विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों और शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम पारंभ किए जाएंगे। इच्छक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, और यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादिमक, शोध एवं अन्य नीतियों की जानकारी ली।

#### सोशल मीडिया लिंक -

https://www.teenbattinews.com/2024/07/blog-post 14.html?m=0

https://www.amarujala.com/madhya-pradesh/sagar/sagar-dr-harisingh-guar-central-universityspain-universities-2024-07-15









🜀 SagarUniversity 🗾 DoctorGour 🚰 Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in

Website- www.dhsgsu.edu.in